युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
अक्टूबर 09 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंटस

<u>अक्टूबर मास का चार्ट</u>:

इस मास का हम लक्ष्य लेंगे – इन्तज़ार छोड़ो, इन्तज़ाम करो।

वर्तमान समय हम तीव्र पुरुषार्थियों के मन में यह संकल्प उठना कि अन्त में विजयी बनेंगे व अन्त में निर्विघ्न और विघ्न-विनाशक बनेंगे – यह संकल्प रॉयल रूप का अलबेलापन है अर्थात् रॉयल माया है। यह सम्पूर्ण बनने में विघ्न डालता है। यही अलबेलापन सफ़लतामूर्त और बाप समान बनने नहीं देता। हमें विनाश के पहले अपना इन्तज़ाम ज़रूर करना है।

इन्तज़ाम में हमें अपने खज़ाने सफल कर सफलता को प्राप्त करना है। सारे कल्प में यह एक ही समय है जब ईश्वरीय अविनाशी बैंक खुलती हैं जिसमें जमा कर हमें सारे कल्प के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ भाग्य बनाना हैं।

अब हमें सर्व के अर्थात् भक्तों के, प्रकृति के और बापदादा के इन्तज़ार को समाप्त कर इन्तज़ाम कर घर चलना है।

हर सप्ताह हम निम्नलिखित एक-एक खज़ाने को सफल करेंगे और सफलतामूर्त बनेंगे।

<u>विधि</u> :

सप्ताह	दिव्य दर्पण के खज़ाने
प्रथम	तन
दूसरा	मन
तीसरा	धन
चौथा	जन

1. तन: यह तन हमें ईश्वरीय सेवा अर्थ मिला है। यह ईश्वर की अमानत है। हर रोज़ इस तन को हम कम से कम एक घण्टा ईश्वरीय सेवा में लगायें जैसे कि सेन्टर पर सब्जी काटना, सफाई करना, पौधों को पानी देना आदि-आदि। अगर सेवा की हो तो √ निशान लगायें, नहीं तो ✕
2. मन: हमें मनसा सेवा करनी है उसके लिए हमें हर रोज 15 मिनट अमृतवेले ब्राह्मण संगठन को निर्विघ्न बनाने और 15 मिनट नुमाशाम विश्व सेवा प्रति लगाना है। अगर सेवा की हो तो √ निशान लगायें, नहीं तो ✕
3. धन: हमारे पास दो प्रकार के धन हैं - एक है स्थूल धन और दूसरा है ज्ञान धन। कम से कम एक व्यक्ति को ज्ञान जरूर सुनाना है और कम से कम दो रुपये बाबा की भण्डारी में डालने हैं। अगर सेवा की हो तो √ निशान लगायें, नहीं तो ✕
4. जन: सर्व आत्माओं से हमारा नाता भाई-भाई का है। सम्पर्क में आने वाली कम से कम एक आत्मा को स्नेही बनाएँ, स्नेही से सहयोगी बनाएँ एवं सहयोगी से योगी बनाएँ। अगर सेवा की हो तो √ निशान लगायें, नहीं तो ✕

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1.गुड मॉर्निंग - 3.30 2.अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में 3.व्यायाम/पैदल - हाँ जी

4.ट्रैफिक कन्ट्रोल- 5 5.मुरली क्लास - क्लास में सुनी 6.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी

7.स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी 8. नुमाशाम का योग- हाँ जी 9.सफल किया: √

10.गुड नाइट- 10.30

❖ इस मास में कुछ भी हो जाये चाहे तन की बीमारी हो, मन मूंझा हुआ हो, धन अपर्याप्त हो या जन के हिसाब-किताब हो लेकिन हमें सदा खुश रहना है और वाह बाबा वाह! वाह ड्रामा वाह! वाह मेरा पार्ट वाह! के गीत गाना है।

❖ दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंटस लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह ज़रूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. मैं आत्मा खुशी की खुराक से तंदुरुस्त हूँ।	16. मैं आत्मा मौजो के झूले में झूलने वाली हूँ।
2. मैं आत्मा दिलखुश मिठाई खाने वाली हूँ।	17. मैं आत्मा मनजीत हूँ।
3. मैं आत्मा हिम्मतवान हूँ।	18. मैं आत्मा धन की देवी/देव हूँ।
4. मैं आत्मा वाह वाह के गीत गाने वाली हूँ।	19. मैं आत्मा पद्मापद्मपति हूँ।
5. मैं आत्मा निरोगी हूँ।	20. मैं आत्मा इकोनोमी की अवतार हूँ।
6. मैं आत्मा इस तन में सम्पन्न बनने वाली हूँ।	21. मैं आत्मा ज्ञान धन से सम्पन्न हूँ।
7. मैं आत्मा तन की मालिक हूँ।	22. मैं आत्मा श्रेष्ठ सौदागर हूँ।
8. मैं आत्मा शान्ति का दान देने वाली हूँ।	23. मैं आत्मा परम पवित्र हूँ।
9. मैं आत्मा मा. सर्व शक्तिवान हूँ।	24. मैं आत्मा रॉयल फैमिली में आने वाली हूँ।
10. मैं आत्मा पूर्वज हूँ।	25. मैं आत्मा सर्व की स्नेही हूँ।
11. मैं आत्मा विश्व कल्याणकारी हूँ।	26. मैं आत्मा सर्व से सन्तुष्ट हूँ।
12. मैं आत्मा अचल अडोल हूँ।	27. मैं आत्मा सर्व की सहयोगी हूँ।
13. मैं आत्मा सदा तृप्त हूँ।	28. मैं आत्मा रहमदिल हूँ।
14. मैं आत्मा पूज्य हूँ।	29 मैं आत्मा मा. क्षमा का सागर हूँ।
15. मैं आत्मा उमंग-उत्साह से भरपूर हूँ।	30. मैं आत्मा गुणग्राही हूँ।
	31. मैं आत्मा न्यारी और प्यारी हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में यह पोस्ट कार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में ज़रूर से लिखें:

नाम:______ सेन्टर का नाम:________ D.Dar No:____

गुड मॉर्निंग-90%	अमृतवेला-75%
व्यायाम/पैदल-80%	ट्रैफिक कन्ट्रोल-45%
मुरली क्लास-90%	नुमाशाम का योग-45%
स्वमान की स्मृति-55%	अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%
सफल किया -70%	गुड नाइट-95%

चार्ट: OK या ~~OK~~ टीचर के हस्ताक्षर

मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org